Roll No. .....

E–3434

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2021

HINDI

Paper Third

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 30

(क) हम राज्य लिए मरते हैं।
सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।
जिनके खेतों में है अन्न,
कौन अधिक उनसे सम्पन्न ?
पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं।
हम राज्य लिए मरते हैं !
वे गो-धन के धनी उदार,
उनको सुलभ सुधा की धार,
सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।
हम राज्य लिए मरते हैं !

अथवा

प्रकृति के यौवन का शृंगार
करेंगे कभी न बासी फूल;
मिलेंगे वे जाकर अति शीघ्र
आह, उत्सुक है उनकी धूल !
पुरातनता का यह निर्मोक
सहन करती न प्रकृति पल एक;
नित्य नूतनता का आनन्द
किये हैं परिवर्तन में टेक।

(ख) धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका!
जाना तो अर्थागमोपाय,
पर रहा सदा संकुचित-काय
लख कर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा मैं स्वार्थ-समर।

अथवा

पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला!
अन्य होंगे चरण हारे
और हैं जो लौटते, दे शूल को संकल्प सारे;
दुखव्रती निर्माण उन्मद,
यह अमरता नापते पद,
बाँध देंगे अंक-संसृति
से तिमिर में स्वर्ण बेला!

(ग) हम निहारते रूप

काँच के पीछे

हाँप रही है मछली।

रूप-तृषा भी

(और काँच के पीछे)

है जिजीविषा।

अथवा

वे कह रहे हैं

"दुनिया न कचरे का ढेर कि जिस पर

दानों को चुगने चढ़ा हुआ कोई भी कुक्कुट

कोई भी मुर्गा

यदि बाँग दे उठे जोरदार

बन जाये मसीहा"

वे कह रहे हैं—

मिट्टी के लोंदे में किरणीले कण-कण

गुण हैं,

जनता के गुणों से ही सम्भव

भावी का उद्‌भव"

गंभीर शब्द वे और आगे बढ़ गये,

जाने क्या कह गये!!

मैं अति उद्विग्न .....।

2. "'साकेत' की प्रधान विशेषता गृहस्थ जीवन के सुख-दुःख की व्यंजना है।" इस कथन के आलोक में साकेत के महत्त्व पर विचार कीजिए। 15

अथवा

सिद्ध कीजिए कि जयशंकर प्रसाद ने 'कामायनी' में अपने युग के यथार्थ को व्यंजित क्रिया है।

3. "मुक्तिबोध अपने युग के प्रतिनिधि कवि हैं।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में उनका मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

'स्वातंत्र्योत्तर यथार्थ के सन्दर्भ में नागार्जुन की कविता के महत्व पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 20

(i) पंत के काव्य में प्रकृति चित्रण

(ii) बहुवस्तुस्पर्भिनी प्रतिमा के कवि निराला

(iii) महादेवी के काव्य में करुणा

(iv) माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय भावना

(v) जन-जीवन के कवि त्रिलोचन

(vi) इन्द्र बहादुर खरे का सामान्य परिचय

(vii) भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य की विशेषताएँ

(viii) साठोतर मोहभंग का दौर और धूमिल की कविता

5. निम्नलिखित में से किन्हीं बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20

(i) 'आँसू' किस कवि का काव्य संकलन है ?

(ii) वैयक्तिकता, लाक्षणिकता, भावुकता एवं रहस्यात्मकता किस काव्य प्रवृत्ति की विशेषताएँ हैं ?

(iii) प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई ?

(iv) प्रयोगवाद के प्रतिनिधि काव्य संकलन का नाम लिखिये।

(v) निराला के किसी एक काव्य संकलन का नाम लिखिये।

(vi) 'यशोधरा' के कवि का नाम लिखिये।

(vii) 'पल्लव' किसका काव्य-संग्रह है ?

(viii) 'गीतफरोश' किस कवि की रचना है ?

(ix) 'खूँटियों पर टँगे लोग' किस कवि का काव्य संकलन है ?

(x) 'सीढ़ियों पर धूप में' संकलन के कवि का नाम लिखिये।

(xi) 'बढ़ गयी है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए' किसकी पंक्ति है ?

(xii) 'नीड़ का निर्माण फिर' आत्मकथा किस लेखक की है ?

(xiii) 'काल तुझसे होड़ है मेरी' किसकी रचना है ?

(xiv) 'फूल नहीं रंग बोलते हैं' किस कवि का काव्य-संग्रह है ?

(xv) 'धरती' किसका काव्य संकलन है ?

(xvi) 'एक भारतीय आत्मा' किस कवि को कहते हैं ?

(xvii) 'धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध' किस प्रसिद्ध कविता की पंक्ति हैं ?

(xviii) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' किस कवि का काव्य-संग्रह है ?

(xix) 'कई दिनों तक चुल्हा रोया, चक्की रही उदास' पंक्ति किस कवि की है ?

(xx) 'अँधेरे में' कविता सर्वप्रथम किस पत्रिका में प्रकाशित हुई थी ?

(xxi) मैथिलीशरण गुप्त को 'भारत-भारती' लिखने की प्रेरणा किस ग्रंथ से मिली थी ?

(xxii) 'कितनी नावों में कितनी बार' किसका काव्य-संग्रह है ?

(xxiii) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' किसकी कविता है ?

(xxiv) मुक्तिबोध का पूरा नाम लिखिये।

(xxv) 'जंगल का दर्द' किसका काव्य-संग्रह है ?